भोपाल जिले के महाविद्यालयों के पुस्तकालयों की सूचना संसाधन और सेवाओं का अध्ययन

पूजा करैया[1], डॉ. राकेश कुमार खरे[2]
[1]शोधार्थी, पुस्तकालय एंव सूचना विज्ञान विभाग, रबीन्द्रनाथ टेगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) भारत
[2]विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एंव सूचना विज्ञान विभाग, रबीन्द्रनाथ टेगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) भारत

सारांश
सूचना उपलब्ध कराने मे पुस्तकालय, महाविघालय पुस्तकालय का अभिन्न अंग बन गए है। मानव गतिविधी के सभी क्षेत्रों में सूचना संसाधन का प्रभुत्व है। इस अध्ययन में, डेटा संग्रह उपकरण के रूप में प्रश्नावली का उपयोग करते हुए एक वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया जिसमें यह निष्कर्ष निकला कि शिक्षण, सीखने और अनुसंधान के लिए पुस्तकालय के कुशल और प्रभावी उपयोग के लिए, शैक्षणिक संस्थान को पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अद्यतन पुस्तकालय संसाधनों का एक जीवंत पुस्तकालय प्रदान करना चाहिए। महाविद्यालय के प्रबंधन को पुस्तकालय साक्षरता शिक्षा का उपयोग करना चाहिए ताकि उपयोगकर्ताओं को यह सिखाया जा सके कि पुस्तकालय का उचित प्रबंधन कैसे किया जाए। यह अधिक उपयोगकर्ताओं को प्रोत्साहित करेगा जो पुस्तकालय संसाधनों से अवगत नहीं हैं। अध्ययन में डेटा संग्रह के लिए प्रयुक्त उपकरण प्रश्नावली को उपयोग में लाया गया । आसान व्याख्या के लिए आवृत्ति, चार्ट, और प्रतिशत का उपयोग करके शोध प्रश्नों का उत्तर दिया गया है। अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों से पता चला कि उत्तरदाता पुस्तकालय सेवाओं, बुनियादी ढांचे ,स्थान और पुस्तकालय के संग्रह, सूचना से अत्यधिक संतुष्ट थे। उत्तरदाताओं का सुझाव था कि, पुस्तकालय को अधिक समय तक खुला रहना चाहिए। पुस्तकालय की जानकारी कैसे प्राप्त करें, इस पर कार्यशाला का आयोजन करना चाहिए, कर्मचारियों को उपयोगकर्ता के बीच अधिक मित्रवत और जानकार होना चाहिए।

मुख्य बिन्दु *:–महाविघालय, पुस्तकालय, सूचना संसाधन एंव सेवाएँ, उपयोगकर्ता*

I प्रस्तावना

पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, सरकारी दस्तावेजो के विशेष संग्रह और इलेक्टॉनिक संसाधनो की एक विस्तृत श्रृंख्ला होती है। शिक्षा के क्षेत्र में भोपाल में अनेंक महाविघालय है। यह अध्ययन पुस्तकालयों सूचना संसाधन और सेवाओं पर किया गया है। आज शैक्षणिक ग्रंथालयो के द्वारा इंटरनेट आधारित सेवा प्रदान कि जा रही है। इसके अतिरिक्त ग्रंथालयो में इलेक्ट्रॉानिक श्रोंतो का उपयोग बढ़ रहा है । भारत के ग्रंथालयो और अन्य विश्व के शैक्षणिक ग्रंथालयो की स्थिती लगभग एक समान है। परंतु भारत के शैक्षणिक ग्रंथालयो के पास संसाधन सीमित है तथा शैक्षणिक ग्रंथालयो को अपने सीमित संसाधन से अधिकतम सूचना प्रदान करनी होती है। शिक्षा के क्षेत्र में नए –नए पाठयक्रमों का प्रांरभ उच्चस्तरीय शिक्षा पर बल आदि के कारण प्रत्येक शिक्षण संस्थान में एक उत्तम पुस्तकालय की स्थापना एक अनिवार्यता बन चुकी है महाविघालय पुस्तकालय का कार्य सन्दर्भ सेवा द्वारा शैक्षिणक स्तर को उन्नत करने के उ़द्वेश से विभागीय सदस्यों में पुस्तकालय सेवा उपलब्ध कराना एंव छात्रों को उपयोगी तथा अधिक पढने हेतु प्रेरित करना है।

II उद्देश्य तथा प्रविधि

(क) अध्ययन के उद्देश्य :

(i) महाविद्यालय पुस्तकालयों में सूचना संसाधन एवं सेवाओं का पता लगाना।
(ii) महाविद्यालय पुस्तकालयों में सूचना संसाधन एवं सेवाओं की बेहतरी के लिये सुझाव देना।

(ख) शोध प्रविधि :

उद्देश्य के आधार पर इस अध्ययन के लिये सर्वेक्षण विधि में प्रश्नावली को प्रयोग किया गया है जिसमें से अधिकतर प्रश्नों का उत्तर ''हाँ'' या ''नहीं'' में देना है। प्रश्नावली में महाविद्यालय का नाम, संबंध विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष आदि सामान्य प्रश्न है। तत्पश्चात् पुस्तकालय में उपलब्ध मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक पाठ्य सामग्री की जानकारी प्राप्त की गयी है। ग्रंथालयों में व्यक्तिगत रूप से जाकर जानकारी ली गई है। प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ों को उनकी आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाया गया है। प्राप्त ऑकडों को एक्सल शील पर स्थानान्तरित किया गया। ऑकडों को उनके निकटतम पूर्णाकों में व्यक्त किया गया है। विश्लेषण के लिए प्रतिशत विधि का प्रयोग किया गया है।

(ग) शोध अध्ययन का क्षेत्र :

सर्वेक्षणात्मक अध्ययन के लिये भोपाल के शासकीय एंव अशासकीय महाविद्यालयों का चयन किया गया है जो महाविद्यालय सुचारू रूप से चल रहे है उन्ही महाविद्यालय पुस्तकालय को शामिल किया गया है। शोधकर्ता ने आंकड़ों को एकत्रित करने के लिये भोपाल के 09 महाविद्यालय को चुना हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय से स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों से प्रश्नावली पूर्ण भरवायी है। इस प्रकार 270 प्रश्नावली प्राप्त हुई है।
भोपाल के शासकीय एंव अशासकीय महाविद्यालय जिनका सर्वेक्षण किया गया है निम्न है।

(i) शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या, स्नातकोत्तर महाविद्यालय ,भोपाल
(ii) शासकीय मोतीलाल विज्ञान, महाविद्यालय भोपाल
(iii) शासकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय, भोपाल
(iv) सरोजनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर, महाविद्यालय भोपाल
(v) शासकीय हमीदिया कला एंव वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल

(vi) भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंस महाविद्यालय,
(vii) कैरियर कालेज भेल गोविंदपुरा ,भोपाल
(viii) राजीव गांधी कालेज, भोपाल
(ix) सत्य साई कालेज फॉर वूमेन, भोपाल

III समंको का विश्लेषण एंव व्याख्या

संकलित समंको को सुव्यवस्थित एंव उचित सारणीयन करके स्वीकृत विधि द्वारा उनसे तर्कपूर्ण अर्थ प्राप्त करना ही समंको का विश्लेषण कहलाता है। यह एक आवश्यक प्रक्रिया है जो समंको के संकलन के बाद पूर्ण होती है तथा इसकी बिना उपस्थिती के शोध कार्य के उद्देश्य की प्राप्त नही की जा सकती है। विश्लेषण क्रिया विधि में निम्न तथ्यों का समावेश होता है।

(क) यह समंको के संकलन के बाद की क्रिया है।
(ख) यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया के साथ एक वैज्ञानिक विश्लेषण भी है।
(ग) इसके अंर्तगत संकलित समंको का सारणीयन करके उनका विश्लेषण किया जाता है।
(घ) इसमें सांख्यिकी विधियों या तर्को के आधार पर समंको से तर्कपूर्ण अर्थ प्राप्त किया जाता है।

पुस्तकालय को सूचना केंद्र और ज्ञान का सागर माना जाता है। इसके पास छात्रों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन से जानकारी प्राप्त हुई है उत्तरदाताओं के लिए कि क्या उनके पुस्तकालय में पर्याप्त संसाधन हैं या नहीं है उनका आरेखीय प्रस्तुतीकरण दिखाया गया है।

आरेख क्रंमाकः–1
महाविद्यालय पुस्तकालयों में सूचना संसाधनो की उपलब्धता

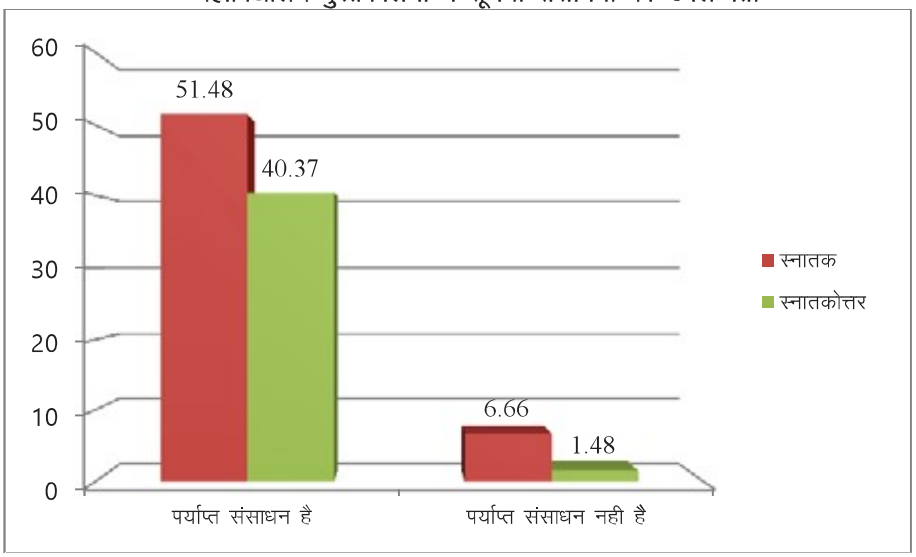

आरेख क्रंमाकः–1 प्रस्तुत करती है कि स्नातक के उत्तरदाता 51.48 प्रतिशत और स्नातकोत्तर के उत्तरदाताओं 40.37 प्रतिशत का मत है कि उनके पुस्तकालय में उपयोग के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। मात्र स्नातक 16.66 प्रतिशत और स्नातकोत्तर उत्तरदाताओं के 1.48 प्रतिशत का मत है कि उनके पुस्तकालय के पास उपयोग के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। कुल मिलाकर स्नातक के 51.85 प्रतिशत और स्नातकोत्तर के 40.37 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मत था कि उनके पुस्तकालय में उत्तरदाताओं के लिए पर्याप्त संसाधन है।

आरेख क्रंमाकः–2
महाविद्यालय पुस्तकालय में आने वाले उपयोगकर्ता

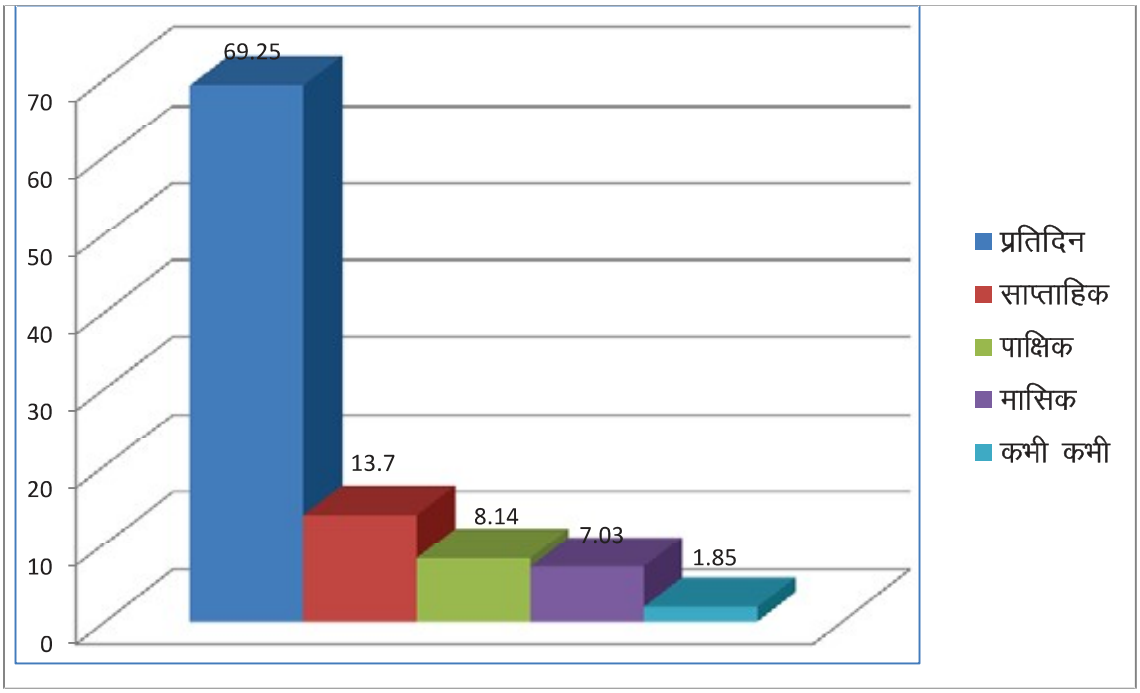

आरेख क्रंमाकः–2 दर्शाता है कि प्रतिदिन उपयोगकर्ता का बहुमत 69.25 प्रतिशत प्रतिदिन पुस्तकालय का दौरा करता है। 13.70 प्रतिशत सप्ताह में एक बार पुस्तकालय का दौरा करता है। 8.14 प्रतिशत पन्द्रॅहा दिन में एक बार पुस्तकालय का उपयोगकर्ता दौरा करता है 17.03 प्रतिशत महीने में एक बार पुस्तकालय का दौरा करता है जबकि 1.85 प्रतिशत उपयोगकर्ता ऐसे भी है जो पुस्तकालय का दौरा कभी – कभी करते है। स्पष्ट है कि महाविद्यालय में प्रतिदिन आने वाले उपयोगकर्ता की उपस्थिती अधिक है।

आरेख क्रंमाकः–3
महाविद्यालय पुस्तकालय में सूचना सेवाओं का उपयोग

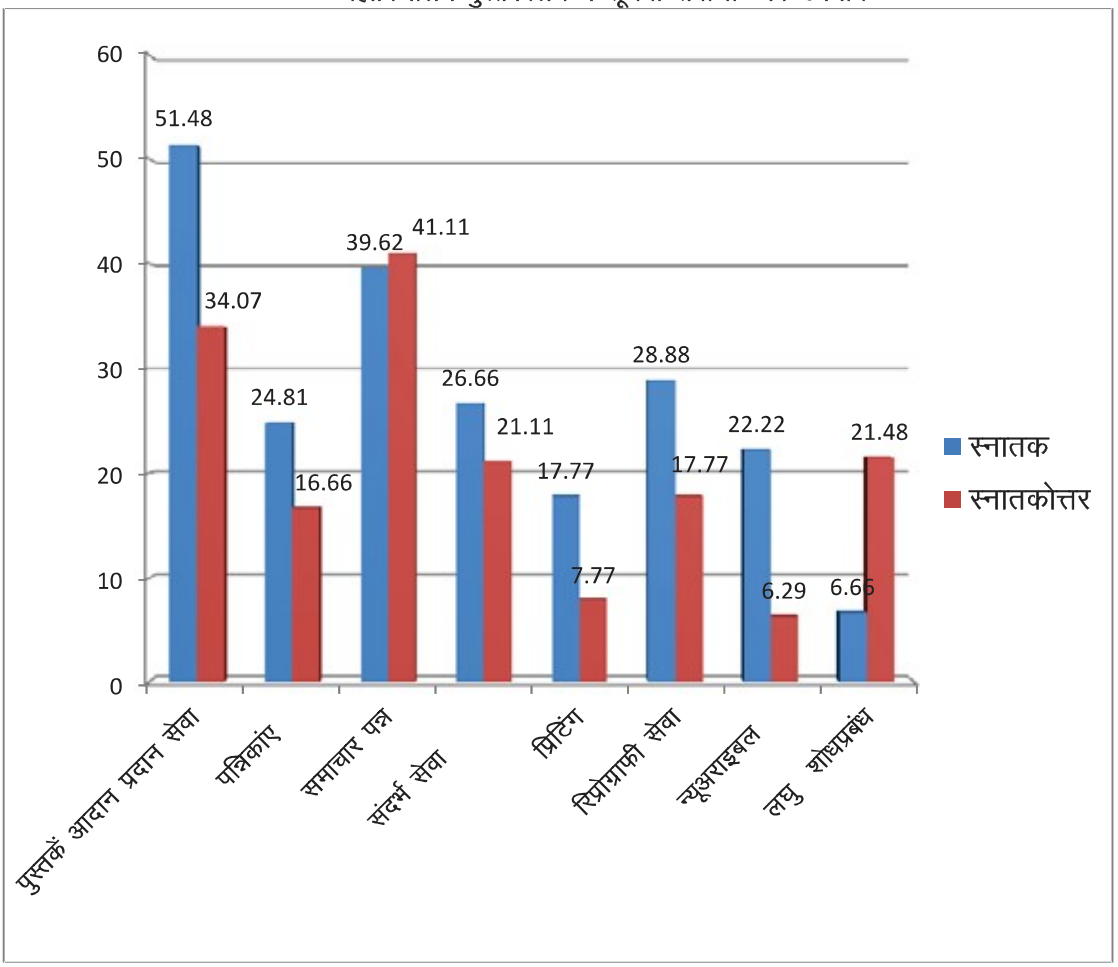

आरेख क्रंमाकः–3 पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं द्वारा पुस्तकालय सेवाओ के उपयोग को दर्शाता है। परिणामों से पता चला कि अधिकांश उत्तरदाताओं ने पुस्तकालय सेवाओं का उपयोग किया है जिनमें स्नातक उपयोगकर्ताओं द्वारा पुस्तकें आदान प्रदान सेवा 51.48 प्रतिशत समाचार पत्र 39.62 प्रतिशत रिप्रोग्राफी सेवा 28.88 प्रतिशत इसी प्रकार अन्य सेंवाओ का उपयोग करते है सिर्फ 6.66 प्रतिशत स्नातक उत्तरदाता ऐसे है जो लघु शोधप्रबंध का उपयोग करतें है। स्नातकोत्तर उपयोगकर्ताओं द्वारा पुस्तकालय सेंवाओ का उपयोग में 41.11 प्रतिशत सबसे अधिक समाचार पत्र उपयोग किया गया है यह उपयोगकर्ता 6.29 प्रतिशत न्यूअराइबल का सबसे कम उपयोग करते है हालांकि, बहुत कम उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि वे पुस्तकालय सेवाओं का उपयोग नहीं करते हैं, जैसे कि लघुशोधप्रबंध 6.66 प्रतिशत न्यूअराइबल 6.29 प्रतिशत प्रिंटिंग 7.77 प्रतिशत है।

आरेख क्रंमाकः–4
उपयोगकर्ता द्वारा पुस्तकालय संसाधनो का उपयोग

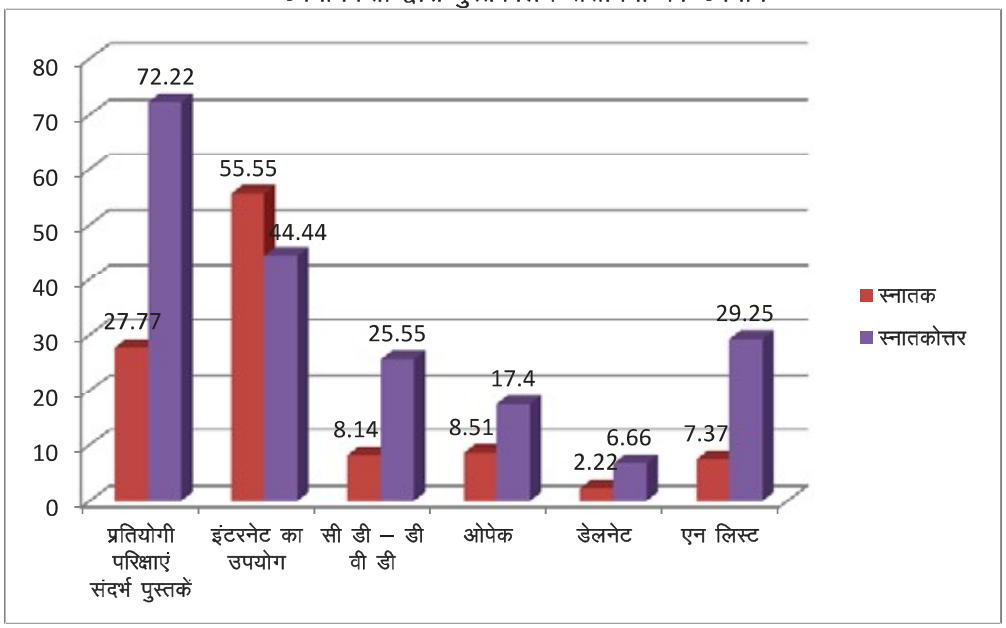

आरेख क्रंमाकः–4 में स्नातक और स्नातकोत्तर उपयोगकर्ता पुस्तकालय संसाधनो का कितना उपयोग करते है एंव वह इनका कितना लाभ उठा पा रहे है को आरेख क्रं.–4 द्वारा दिखाया गया है। आरेख से पता चलता है कि, पुस्तकालय मे संसाधनो का उपयोग स्नातकोत्तर 72.22 प्रतिशत, स्नातक 27.77 प्रतिशत उपयोगकर्ता से अधिक करते है इसी प्रकार सी. डी. – डी. वी. डी. का उपयोग 25.55 प्रतिशत स्नातकोत्तर अधिक करते है, स्नातक की अपेक्षा 8.14 प्रतिशत स्नातकोत्तर उपयोगकर्ता ओपेक एंव एन– लिस्ट का भी अधिक उपयोग करते है।

आरेख क्रंमाकः–5
संसाधन एंव सेवाओं के प्रति उपयोगकर्ता का अध्ययन

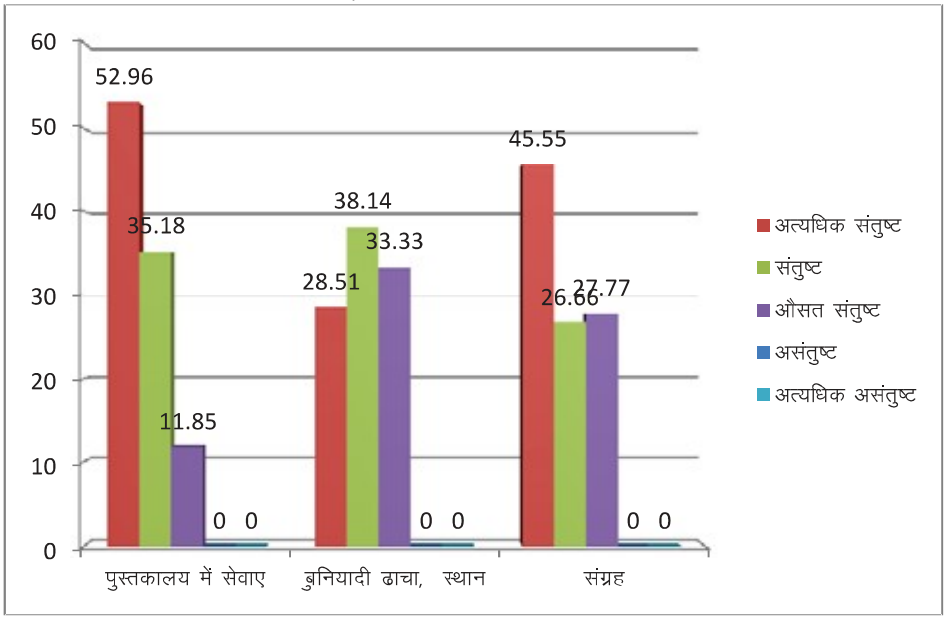

आरेख क्रंमाकः–5 में पुस्तकालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं, सूचना के संबंध में उपयोगकर्ताओं से पता चलता है कि, पुस्तकालय सेवाओं से उपयोगकर्ता 52.96 प्रतिशत अत्यधिक संतुष्ट है। बुनियादी ढॉचा, स्थान 38.14 प्रतिशत से संतुष्ट है ,संग्रह से 45.55 प्रतिशत अत्यधिक संतुष्ट है। 35.18 प्रतिशत, 38.14 प्रतिशत और 26ण्66 प्रतिशत उपयोगकर्ता संतुष्ट हैं। इसके अलावा 11.85 प्रतिशत,33ण्33 प्रतिशत, और 27.77 प्रतिशत पुस्तकालय में सेवाओं, बुनियादी ढांचा, स्थान के साथ–साथ संग्रह, सूचना प्रसार के संबंध में उपयोगकर्ताओं औसत संतुष्ट

हैं। जबकि असंतुष्ट या अत्यधिक असंतुष्ट कोई भी नही है।

IV सुझाव

(क) पुस्तकालय में उपलब्ध यूजीसी–इन्फोनेट पत्रिकाओं और ई–संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा की जानी चाहिए।

(ख) आवश्यक सामग्री प्राप्त करने के लिए अंतर–पुस्तकालय ऋण सुविधा में सुधार किया जाना चाहिए जो उनके संबंधित पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है।

(ग) लघु शोधप्रबंध के संग्रह में सुधार किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक उपयोगकर्ता लाभ उठा सके।

V निष्कर्ष

इस अध्ययन में पुस्तकालयों की सेवाओं, अवसंरचना, स्थान, और संग्रह सूचना के प्रति उपयोक्ताओं पर सूचना प्रस्तुत की गई है। अध्ययन में पाया गया कि पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय में सेवाओं, बुनियादी ढांचे, स्थान, के साथ–साथ संग्रह, सूचना प्रसार के बारे में अत्यधिक संतुष्ट थे।

संदर्भ सूची

[1] यादव .वी डी एवं गौतम गोविन्द कुमार (2014) पुस्तकालय एवं सुचना विज्ञान मे शोध पद्धति ,वाई के पब्लिशर्स ,आगरा

[2] शर्मा ,बी के (2015) सुचना श्रोत उपयोक्ता प्रणाली सेवाये एवं प्रौद्योगिकी ,वाई के पब्लिशर्स ,आगरा

[3] सूद ,एस पी (2015) ग्रंथालय विज्ञान, प्रोफेसर कोला ग्रंथालय तथा सूचना विज्ञान (खण्ड 46)

[4] खत्री,हरीश कुमार ,शोध प्रविधी रू कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल

[5] झांजी,नुपुर (2012) पुस्तकालय तथा सूचना सेवा का विकास, आर्या पब्लिकेशन्स ,दिल्ली

[6] तोमर, ब्रजराज सिंह (2018) पुस्तकालय संगठन तथा सेवाएँ , ओमेगा पब्लिकेशन्स,नई दिल्ली